।। अर्हम् ।।

आचार्य महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

संगठन में शक्ति है – आचार्य महाप्रज्ञ

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)

श्रीडूँगरगढ़ 4 फरवरी : राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि कार्य सभी करते हैं, पर जो कार्य संगठित रुप से किया जाता है उसकी अलग पहचान बनती है। संगठन में शक्ति है, संगठित शक्ति का सम्यक् नियोजन होने पर कार्य संपादन में सुगमता का अहसास होता है। उन्होंने कस्बे के महाप्रज्ञ जनकल्याण केन्द्र के द्वारा निर्मित तेरापंथ भवन हेतु विहार से पूर्व धर्म संभा को संबोधित करते हुये कहा कि हमारा केवल स्थान बदल रहा है। अभी इसी कस्बे में ही प्रवास है, इसलिए विदाई की बात नहीं है।

इससे पूर्व युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि संयम का, साधना का और तप का अपूर्व बल होता है, उस बल के आगे किसी अन्य बल की आवश्यकत नहीं रहती। गृहस्थ लौकिक देवों की पूजा करते हैं, पर मुनि के पास संयम की अपराजित शक्ति होती है, इसलिए उसे किसी भी लौकिक शक्ति की पूजा नहीं करनी पड़ती।

इस अवसर पर श्रीमद् आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ साधना संस्थान के अध्यक्ष गुलाबचंद श्यामसुखा एवं भीखमचंद पुगलिया ने तेरापंथ भवन के प्रवासकाल में हुई भूलों के लिए क्षमायाचना के साथ पूज्यवरों की प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

ऊपरले तेरापंथ भवन में हुआ स्वागत

आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण सर्व मुनियों के साथ लगभग 12.05 बजे पर प्रज्ञासमवसरण से ऊपरले तेरापंथ भवन के लिए विहार किया। विहार के समय बने जुलूस में महाराणा प्रताप विद्यालय के बालक–बालिकाएं, तेरापंथ कन्यामंडल, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद् के सदस्य गणवेश में पंक्तिबद्ध चल रहे थे। इनके बीच गूंजता मधुर बैण्ड का स्वर सबका ध्यान खींच रहा था। स्थानीय विधायक मंगलाराम गौदारा ने इस जुलूस में सम्मिलित होकर अपनी श्रद्धा अभिव्यक्त की। आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के पदाधिकारियों सहित महाप्रज्ञ जनकल्याण केन्द्र के ट्रस्टीगण ने ऊपरले तेरापंथ भवन में आचार्य महाप्रज्ञ के पधारने पर स्वागत किया। मंगल पाठ के साथ जुलूस विसर्जित हुआ।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक